अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 आफत की बरसात
4 नवरात्रि के नौ दिनों में माता की पूजा में पहने ऐसे वस्त्र, नवग्रह ...
7 जो भी रोजगार चाहता है, उसे देंगे काम - मुख्यमंत्री श्री चौहान

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 08 अंक-39 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 27 सितम्बर से 03 अक्टूबर 2022 पृष्ठ-8 मूल्य -2

राजस्थान के सियासी संकट में कमलनाथ की एंट्री

आलाकमान ने किया दिल्ली तलब, उधर राहुल से मिले शशि थरूर

गहलोत और पायलट के बीच में जिस तरह की रस्साकसी हो रही है उसमें कमलनाथ मध्यस्थता कर सकते हैं। मौजूदा दौर में राजस्थान का संकट बहुत बड़ा होता दिखने लगा है।

राजस्थान के सियासी संकट में मध्य प्रदेश के दिग्गज नेता कमलनाथ की एंट्री हो गई है। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उन्हें तत्काल प्रभाव से दिल्ली तलब किया है। माना जा रहा है कि अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच में जिस तरह की रस्साकसी हो रही है उसमें वो मध्यस्थता कर सकते हैं। मौजूदा दौर में राजस्थान का संकट बहुत बड़ा होता दिखने लगा है। गांधी परिवार को किसी भी सूरत में इसका हल निकालना होगा, तभी कमलनाथ को दिल्ली में तलब किया गया है।

उधर जयपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कल जो भी कुछ हुआ उससे हमने कांग्रेस अध्यक्ष को अवगत कराया है। अंत में जो भी निर्णय लिया जाएगा, उसका सभी को पालन करना होगा। पार्टी को एकजुट रखना है और पार्टी में अनुशासन रहना चाहिए।

ध्यान रहे कि कांग्रेस विधायक प्रताप खाचरियावास और एस धारीवाल ने माकन से मुलाकात की और तीन मांगें रखीं। पहली मांग है कि 19 अक्तूबर को कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के बाद नया मुख्यमंत्री चुना जाए और प्रस्ताव को इसके बाद ही अमल में लाया जाए। दूसरी शर्त है कि गहलोत खेमा विधायक दल की बैठक में आने के बजाए अलग-अलग समूहों में आना चाहता है। तीसरी शर्त यह थी कि नया सीएम उन 102 विधायकों में से चुना जाना चाहिए, जो गहलोत के प्रति वफादार हैं, न कि सचिन पायलट के।

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आज भी भारी बारिश के आसार, जानिए कैसा रहेगा दिल्ली का मौसम

देश के कई राज्यों में पिछले तीन दिनों से भारी बारिश हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में भी पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। वहीं मौसम विभाग ने अंदेशा जताया है कि दिल्ली में आसमान में बादल छाए रहेंगे और कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ अब धीरे-धीरे नेपाल की तरफ बढ़ रहा है। ऐसे में तेज बारिश के आसार नहीं दिख रहे हैं।

मौसम विभाग ने बताया है कि 27 सितंबर से लेकर 30 सितंबर तक दिल्ली का मौसम सामान्य रह सकता है और तापमान 36 डिग्री तक जा सकता है और बारिश नहीं होगी। लेकिन अक्टूबर के पहले हफ्ते में मानसून खत्म होने की ओर होगा और बरसात हो सकती है। इसके पहले दिल्ली में बीते शुक्रवार और शनिवार को भारी बरसात हुई और इसके कारण कई जगहों पर यातायात प्रभावित हुए।

वहीं मौसम विभाग के अनुसार 25 सितंबर से लो प्रेशर एरिया के नॉर्थ की ओर आगे बढ़ने की संभावना है, जिसके कारण हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, और पंजाब समेत उत्तर भारत के अधिकतर हिस्सों में तेज़ बारिश हो सकती है। मौसम पूर्वानुमान बताने वाली एजेंसी स्काईमेट वेदर के अनुसार चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र उत्तरपूर्वी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के आसपास के हिस्सों पर बना हुआ है।

अनिल देशमुख की बेल एप्लीकेशन को 8 माह से ठंडे बस्ते में डाले था बांबे हाईकोर्ट, SC ने लगा दी क्लास

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और हिमा कोहली की बेंच ने हाईकोर्ट को फटकार लगाकर कहा कि आरोपी जमानत के लिए अर्जी दाखिल करता है उसे उम्मीद होती है कि जल्द से जल्द उस पर सुनवाई होगी।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राकांपा नेकता अनिल देशमुख की बेल एप्लीकेशन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आज बांबे हाईकोर्ट को कड़ी फटकार लगा दी। सुप्रीम कोर्ट इस बात से नाराज था कि 8 महीने से हाईकोर्ट ने देशमुख की याचिका को ठंडे बस्ते में डाल रखा है। अदालत का कहना था कि ये कानूनन ठीक नहीं है। हाईकोर्ट के हिदायत दी गई है कि याचिका का जल्द से जल्द निपटारा हो।

अनिल देशमुख ने 21 मार्च को जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी। लेकिन आज तक बांबे हाईकोर्ट ने उस पर सुनवाई ही नहीं की। देशमुख के वकीलों ने ये बात सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचाई। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और हिमा कोहली की बेंच ने हाईकोर्ट को फटकार लगाकर कहा कि ये किस तरह की वर्किंग है। बेंच का कहना था कि जो भी आरोपी जमानत के लिए अर्जी दाखिल करता है उसे उम्मीद होती है कि जल्द से जल्द उस पर सुनवाई होगी।

नवरात्रि के लिए रेलवे का स्पेशल मेन्यू-ट्रेन में परोसी जाएगी व्रत वाली थाली, 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक रहेगी यह

रेल मंत्रालय ने नवरात्रि के दौरान ट्रेन से यात्रा करने वाले भक्तों के लिए एक स्पेशल मेन्यू की घोषणा की है। नौ दिनों तक चलने वाले इस उत्सव के दौरान उपवास रखने वालों को परेशानी न हो, इसके लिए ट्रेनों में व्रत वाली थाली उपलब्ध होगी।

रेलवे मंत्रालय ने ट्वीट किया- नवरात्रि के शुभ त्योहार पर भारतीय रेलवे आपके लिए 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक नवरात्रि स्पेशल थाली लेकर आया है। इस थाली को फूड ऑन ट्रैक ऐप से मंगवाया जा सकता है। इसके अलावा http://ecatering.irctc.co.in पर जाकर या 1323 पर कॉल करके भी खाना मंगवाया जा सकता है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में जैकलीन को बेल वकील के कपड़ों में अदालत पहुंचीं, ताकि कोई पहचान न सके; अब सुनवाई 22 अक्टूबर को

200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग केस में बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज को दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने 50 हजार रुपए के बेल बॉन्ड पर अंतरिम जमानत दी है। 26 सितंबर की सुनवाई के लिए जैकलीन वकील के कपड़ों में कोर्ट पहुंचीं, ताकि कोई उन्हें पहचान न सके। कॉनमैन सुकेश चंद्रशेखर के 200 करोड़ के जबरन वसूली केस में जैकलीन अहम गवाह हैं।

जैकलीन की जमानत याचिका को लेकर कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) से जवाब मांगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एडिशनल सेशन जज शैलेंद्र मलिक ने कहा कि जब तक इसका जवाब नहीं मिलता है, तब तक उनकी रेगुलर बेल कोर्ट में पेंडिंग रहेगी। इस केस की अगली सुनवाई 22 अक्टूबर को होगी।

17 अगस्त को श्वष्ठ ने चार्जशीट में जैकलीन को आरोपी बनाया था

इस केस में श्वष्ठ ने 17 अगस्त को एक चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें जैकलीन को आरोपी बताया गया था। इस मामले में अदालत ने उन्हें समन भेजा, तभी जैकलीन के वकील ने उनकी जमानत की याचिका दायर की थी। इससे पहले भी इस केस को लेकर जैकलीन कई बार कोर्ट में पेश हो चुकी हैं। कुछ दिन पहले ही इकोनॉमिक ऑफेंस विंग टीम ने उनसे करीब 7 घंटे तक कॉनमैन सुकेश चंद्रशेखर से मिले गिफ्ट, डिजाइनर कपड़े और कार को लेकर सवाल किए गए थे।

सम्पादकीय

आफत की बरसात

आमतौर पर सितंबर महीने में बारिश का जोर इतना नहीं देखा जाता।

लेकिन इस बार बरसात का अब भी जो रुख देखा जा रहा है, वह थोड़ा अलग है। हालांकि मौसम की अपनी गति होती है और कई बार उसका अनुमानों से पहले शुरू हो जाना या फिर लंबा खिंचना कोई अप्रत्याशित घटना नहीं है, लेकिन इसका आम जनजीवन पर असर पड़ता है। हाल में देश के कई राज्यों में बारिश की वजह से जैसी स्थिति पैदा हो गई, उसे निश्चित रूप से मौसम की मार के तौर पर देखा जा सकता है, मगर यह भी सही है कि व्यवस्थागत कमियां कई बार समस्या की गंभीरता को और ज्यादा बढ़ा देती हैं।

मसलन, देश के कई शहरों में बरसात की वजह से होने वाले जलजमाव और सड़कों पर जाम जैसे हालात देखने में आए, वह पानी की निकासी और यातायात प्रबंधन की व्यवस्था में खामी का नतीजा है। वहीं बीते कई दिनों की बारिश की वजह से मुख्य रूप से दिल्ली और गुरुग्राम की सड़कों पर यातायात लगभग ठप पड़ गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बारिश की वजह से शहरों-महानगरों में खड़ी होने वाली मुख्य समस्या सड़कों पर जाम और व्यापक जलजमाव के रूप में ही सामने आती है।

सवाल है कि इन मुश्किलों के लिए अकेले बारिश जिम्मेदार है या फिर वे सरकारी महकमे, जो ऐसी परिस्थिति का सामना करने के लिए वक्त पर या उससे पहले तैयारी नहीं करते। यों हर इलाके में केवल पानी की निकासी की व्यवस्था ही अगर समुचित हो और जलजमाव की गुंजाइश न बने तो इन समस्याओं से पार पाया जा सकता है। लेकिन हकीकत किसी से छिपी नहीं है।

जहां आम दिनों में भी छोटे-बड़े नाले हर तरह से साफ और निर्बाध होने चाहिए, वहां मौसम के मुताबिक बरसात की आशंका के मद्देनजर सरकार नालियों की सफाई कराने की औपचारिकता पूरी करती दिखती है। इसके अलावा, अगर इसका पहले से अंदाजा है कि बरसात के वक्त क्या स्थिति हो सकती है तो यातायात प्रबंधन के मामले में वाहनों को नियंत्रित करने से लेकर वैकल्पिक मार्ग तय किए जाने तक कुछ अन्य तात्कालिक इंतजाम किए जा सकते हैं, ताकि सड़कों पर जाम न लगे। लेकिन सभी जानते हैं कि हर साल बरसात के मौसम में शहरों की हालत क्या हो जाती है।

दरअसल, यह शहरी नियोजन में बरती गई लापरवाही के बाद का आलम है, जिसमें एक घंटे की बरसात भी शहर की रफ्तार को पूरी तरह थाम दे सकती है। लेकिन पिछले एक-दो सालों से बरसात के स्वरूप में जैसा बदलाव देखा जा रहा है, वह पर्यावरण में उथल-पुथल का संकेत हो सकता है। देश के जिन इलाकों में बरसात अपनी स्वाभाविकता में आकर गुजर जाती थी, वहां अब बेलगाम बारिश और कई बार बादल फटने जैसी घटनाएं भी देखी जा रही हैं। यों मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक मुख्य रूप से तापमान और दबाव बरसात की वजहें हैं।

तापमान में बढ़ोतरी से हवा का दबाव कम होता और इसके चलते हवा ऊपर की ओर उठ जाती है। यही वजह है कि ज्यादा दबाव वाले क्षेत्रों के बादल कम दबाव वाले इलाकों की ओर बढ़ जाते हैं। लेकिन प्राकृतिक उतार-चढ़ावों से उपजी मुश्किलों का सामना करना ही अकेला विकल्प होता है और इसीलिए बाढ़ या अन्य आपदाओं से बचाव के लिए अलग-अलग मोर्चों पर बहुत सारे इंतजाम किए जाते हैं। ऐसे में शहरों-महानगरों के लिए बारिश अगर एक जटिल समस्या बनती जा रही है तो उससे बचाव या उसमें राहत के रास्ते निकालना भी सरकार और समाज की ही जिम्मेदारी है!

संपादक
गोपाल गावंडे

शहरीकरण और नीतिगत खामियां

पिछले एक-दो दशक में भारत के दर्जनों शहरों की स्थिति पूरी तरह बदल गई है।हाल में बंगलुरु जिस तरह से बारिश में डूबा नजर आया, उससे यह सवाल उठा कि क्या यही वह शहर है, जिसके बल पर हमारा देश खुद की तरक्की के दावे करता है। बेतरतीब शैली का शहरी विकास अपने साथ कैसी-कैसी समस्याएं पैदा कर सकता है, यह बात देश की राजधानी दिल्ली और इससे सटे एनसीआर कहलाने वाले शहरों (गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा आदि) में भी कई स्तरों पर दिखाई देती है।

दुनिया के एक प्रतिष्ठित विचार समूह आक्सफोर्ड इकोनोमिक्स ने वर्ष 2018 में दुनिया के कई बड़े और मझोले शहरों की बदलती आर्थिक हैसियत को लेकर सात सौ अस्सी शहरों के बारे में रिपोर्ट पेश की थी। इसमें दावा किया गया था कि 2019 से 2035 के बीच भारत, चीन और इंडोनेशिया के कई शहर यूरोप और अमेरिका के शहरों को पीछे छोड़ देंगे। रिपोर्ट में तेजी से विकसित होते जिन शीर्ष बीस शहरों का विशेष जिक्र किया गया था, उनमें सत्रह भारत के थे। दिल्ली, मुंबई, बंगलुरु, हैदराबाद और सूरत के अलावा नागपुर, तिरुपुर और राजकोट जैसे शहरों को इस सूची में जगह दी गई थी। इस सूची ने हमारे कुछ शहरों को कुछ चमक जरूर दी थी, पर हाल में बारिश के बाद पानी में डूबे बंगलुरु और पुणे आदि शहरों की जो दुर्दशा देखने को मिली, वह सारी उम्मीदों पर पानी फेर रही है।

पिछले एक-दो दशक में भारत के दर्जनों शहरों की स्थिति पूरी तरह बदल गई है। देश में चल रही सौ शहरों को आधुनिक शहर (स्मार्ट सिटी) में बदलने वाली परियोजना का उद्देश्य तेज विकास कर मझोले और छोटे शहरों की चमक-दमक बढ़ाना भी है। मगर आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के लिए पलायन कर शहरों की ओर आ रही भीड़ के आंकड़े शहरों पर बढ़ रहे दबाव का खुलासा करते हैं।

बंगलुरु जैसे शहर इसकी मिसाल हैं जहां दुनिया की सैकड़ों बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के दफ्तर हैं। हालांकि इसका एक बड़ा फायदा निश्चित तौर पर हमारी उस युवा आबादी से जुड़ा है, जिसे इन शहरों में बेहतरीन रोजगार मिले हुए हैं। यही नहीं, तेज तरक्की कर रहे शहरों की बदौलत लोहा, सीमेंट से लेकर उपभोक्ता वस्तुएं बनाने वाली कंपनियों को भी ढेरों काम मिलता है और उनकी मोटी कमाई होती है।

लेकिन सवाल इस बात का है कि क्या हमारे ज्यादातर शहर आगे भी इसी तरह रोजगार देते रहेंगे, या फिर आबादी के बोझ, बुनियादी ढांचे पर पड़ते दबावों और पर्यावरणीय कारणों से वे तबाही के ऐसे मुकाम पर पहुंच जाएंगे, जहां उनके लिए कोई उम्मीद बाकी नहीं रहेगी। विडंबना यह है कि आज हम जिन शहरों को बड़ी उम्मीदों के साथ देखते हैं, उनका दम घुटने लगा है। विकास के रास्ते पर तेजी से भागते हुए ये शहर हांफने लगे हैं और इनका भविष्य दिनों-दिन डरावना होने लगा है।

भारत की आइटी-धुरी कहलाने वाले बंगलुरु महानगर को करीब साढ़े तीन हजार आइटी कंपनियों ने अपना ठिकाना बनाया है। इससे अमेरिकी की सिलिकान वैली की चमक धुंधली पड़ गई। कहा जाने लगा था कि जो रोजगार और कारोबार सिलिकान वैली में संभव में है, वैसा ही कुछ बंगलुरु में हो सकता है। लेकिन हाल में बंगलुरु जिस तरह से बारिश में डूबा नजर आया, उससे यह सवाल उठा कि क्या यही वह शहर है, जिसके बल पर हमारा देश खुद की तरक्की के दावे करता है।बेतरतीब शैली का शहरी विकास अपने साथ कैसी-कैसी समस्याएं पैदा कर सकता है, यह बात देश की राजधानी दिल्ली और इससे सटे एनसीआर कहलाने वाले शहरों (गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा आदि) में भी कई स्तरों पर दिखाई देती है। यहां सड़कों का जाल है, मेट्रो दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में दस्तक दे चुकी है और इसका दायरा बढ़ता ही जा रहा है। इसी के साथ बिजली की बढ़ती खपत एक नया संकट खड़ा कर रही है। दिल्ली में बिजली की मांग के पिछले सभी रिकार्ड टूटते जा रहे हैं।रोजाना इतनी बिजली की आपूर्ति के लिए कितने बड़े स्तर पर प्रबंध करने की जरूरत है, इसका अंदाजा इससे लगाया जा रहा है कि इसके लिए उत्तराखंड के विशालकाय टिहरी पावर प्लांट जैसे छह से अधिक बिजलीघरों चाहिए होंगे। देश के सिर्फ एक ही शहर को जगमग रखने के लिए हजार मेगावाट की क्षमता वाले छह या इससे ज्यादा बिजलीघर लगाने पड़ें, तो सोचा जा सकता है कि आखिर ये शहर हमारे लिए कैसी समस्याएं खड़ी करने वाले हैं।

शहरीकरण जो समस्याएं पैदा कर रहा है, उसका दूसरा संदर्भ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) और यूएन-हैबिटेट द्वारा संयुक्त रूप से किए गए अध्ययन की रिपोर्ट से मिलता है। रिपोर्ट बताती है कि शहरों की इमारतों और घरों को रोशन करने, उन्हें ठंडा रखने व पानी को शीतल करने वाले उपकरणों जैसे एअरकंडीशनर, फ्रिज, वाटर कूलर आदि के इस्तेमाल और कारों के प्रयोग की वजह से शहरी इलाकों के औसत तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो जाती है।

रिपोर्ट में इस बदलाव को 'अर्बन हीट आइलैंड इफेक्ट' की संज्ञा दी गई है। कारों से निकलने वाला धुआं वातावरण में सिर्फ कार्बन डाई-आक्साइड ही नहीं झोंकता, बल्कि आसपास के तापमान को भी बढ़ाता है। इसी तरह फ्रिज, एसी, वाटर कूलर जैसे उपकरण भी अपने आसपास गर्मी पैदा करते हैं। इससे मई-जून जैसे गर्म महीनों में शहर और गर्म हो जाते हैं।मौसमी बदलाव के कारण प्राकृतिक गर्मी से मुकाबले के लिए जो साधन और उपाय आजमाए जा रहे हैं, उनमें कमी लाना नीतिगत बदलावों के बिना संभव नहीं है। अभी हमारे योजनाकार देश की आबादी की बढ़ती जरूरतों और गांवों से पलायन कर शहरों की ओर जाती आबादी के मद्देनजर आवास समस्या का ही जो उपाय सुझा रहे हैं, वह शहरों की आबोहवा को बिगाड़ने का बड़ा कारण बनेगी। जैसे, एक उपाय यह है कि अब शहरों में ऊंची इमारतें बनाने को प्राथमिकता दी जाए।

इस नीति ने दिल्ली-मुंबई ही नहीं, बंगलुरु-हैदराबाद आदि शहरों के बड़े इलाके को कंक्रीट के जंगलों में बदल डाला है। एक सच यह भी है कि सुविधाओं के नाम पर भयानक प्रदूषण झेलते ये शहर बुनियादी ढांचे पर बढ़ते दबाव, महंगाई और कामकाज की जगहों से रिहाइश की बढ़ती दूरियों के कारण लोगों के लिए सुविधा की बजाय दुविधा का केंद्र बन चुके हैं। ऐसे में जब अतिशय बारिश या गर्मी का कहर अलग से टूटता है, तो शहरीकरण के नाम पर जुटाई गई सारी संपदा बेमानी लगने लगती है।

फिलहाल देश के ज्यादातर शहरों की पहली बुनियादी समस्या ढांचागत सुविधाओं की बिगड़ती स्थिति से जुड़ी है। सड़कें, सीवर, बिजली और पानी की कमी के बाद अवैध कब्जों और बिना किसी नियोजन के विकास ने ज्यादातर शहरों को नरक जैसी स्थितियों में धकेल दिया है। इसके बाद सरकारी योजनाओं की खामियां दो स्तरों पर हैं। पहली तो यह कि जब भी शहरी विकास की बात होती है तो पहले से बसे-बसाए शहरों में ही सुविधाएं बढ़ाने की योजनाएं पेश की जाती हैं।यूपीए सरकार की योजना- अर्बन रिन्यूअल मिशन और मौजूदा एनडीए सरकार की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को इसी खाते में डाला जा सकता है। दूसरे, सरकार उन इलाकों को आरंभ में शहर नहीं मानती जो बड़े शहरों के आसपास अपने आप बेतरतीब तरीके से विकसित होते जाते हैं। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, कानपुर, इंदौर आदि किसी भी बड़े शहर के आसपास के इलाके शहर की सरकारी परिभाषा के दायरे में नहीं आते, लिहाजा इन्हें तब तक बिजली, पानी, सीवर, सड़क, स्कूल, अस्पताल, मेट्रो रेल जैसी सुविधाएं मुहैया नहीं कराई जाती हैं, जब तक कि उनका विकास एक राजनीतिक मुद्दा न बना दिया जाए।असल में, शहरों को स्मार्ट बनाने का जिम्मा सिर्फ सरकारों पर छोड़ने का ही खामियाजा है जो हमारे शहर आज भुगत रहे हैं। अतिक्रमण बड़ी और गंभीर समस्या बन चुका है। नागरिक दायित्वों का घोर अभाव ऐसी समस्याओं को और जटिल बना रहा है। ऐसे में बेहतर होगा कि जनता और सरकार, दोनों अपने गिरेबान में झांकें। तभी शहरों की बीमारियों और उनके निदान के सही रास्ते खोजे जा सकेंगे।

मामला मासूम बच्ची की बेरहमी से हत्या का

पुलिस जल्दी ही आरोपी के खिलाफ कोर्ट में पेश करेगी चालान

फास्ट ट्रेक में सुनवाई के प्रयास तेज, आरोपी को जेल भेजा

इंदौर। आजाद नगर में हुई मासूम की बेरहमी से हत्या करने के मामले में पुलिस ने वारदात के दो दिन में ही तेजी से जांच कर ये तैयारी कर ली है कि वे एक सप्ताह या दस दिन में कोर्ट में आरोपी के खिलाफ चालान पेश कर देंगे। पुलिस की ओर से भी ये मांग की जाएगी कि इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रेक कोर्ट में की जाए। इसके लिए प्रयास भी शुरू हो चुके हैं। उधर, रिमांड के बाद रविवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया था जहां से उसे जेल भेज दिया है।

आरोपी सद्दाम ने पकड़े जाने के बाद ये बात कबूली है कि वह मासूम के साथ गंदी हरकत के बाद उसकी हत्या करने का इरादा रखता था लेकिन लोगों के घर पहुंचने के बाद उसने बच्ची की हत्या कर दी। हत्या के बाद लोगों को भी डराने धमकाने की कोशिश की थी लेकिन आम लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जाता है कि पीड़ित पक्ष या प्रत्यक्षदर्शी अपने दिए बयानों से नहीं पलटें इसके लिए पुलिस ने इनके बयान कोर्ट में करवाए हैं। एक दिन के रिमांड के बाद आरोपी को आज फिर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

दो दिन पूर्व शुक्रवार को सात साल की मासूम को अपने घर में ले जाकर आरोपी ने उस पर चाकू से वार कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस वारदात के बाद आसपास रहने वालों ने उसे पकड़कर उसकी पिटाई के बाद पुलिस के हवाले कर दिया था। आरोपी का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वह ये कहता नजर आ रहा है कि मासूम के साथ गंदी हरकत करने के लिए ही वह उसे उठाकर घर में ले गया था। इस जघन्य हत्याकांड की इनवेस्टीगेशन दो आईपीएस डीसीपी अमित तोलानी और एसीपी मोताउर रहमान की निगरानी में हो रही है। पुलिस ने दावा किया है कि आरोपी के खिलाफ पु ता सबूत एकत्र किए गए हैं। ये सबूत उसे कोर्ट से कड़ी सजा देने में सहायक रहेंगे।

युवक की खुदकुशी में चौंकाने वाला खुलासा जिस लड़की के लिए खाया था जहर, अब उसके परिजनों ने विरोध किया तो दी जान

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वह रेडीमेड गारमें टका काम करता था। बताया जाता है कि लड़की के लिये उसने कुछ अरसे पहले जहर खाया था,उसी लड़की के परिजनों के विरोध के कारण उसने फांसी लगाई थी। युवक का जो मोबाइल मिला है उसके अनलाक होने के बाद इस मामले में कई और खुलासे हो सकते हैं।

एरोड्रम पुलिस ने बताया कि गुरूवार रात अश्विन पिता रोहित धीमान,महावीर बाग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पूछताछ में उसके परिजनों ने किसी भी तरह के विवाद या कर्ज आदि की बात से इनकार किया था। पुलिस ने अश्विन के दोस्तों से पूछताछ की तो पता चला कि उसका एक किशोरी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। उस किशोरी के चक्कर में कुछ दिनों पहले उसने जहर खा लिया था तब परिजन उसे अस्पताल ले गए थे और जान बच गई थी। फांसी लगने के एक दिन पहले किशोरी के परिजनों ने इन दोनों को साथ देख लिया था। उसके बाद से ही वह डिप्रेशन में था और अंततः उसने जान दे दी।

युवक पर चाकू से हमला

इंदौर। अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में एक युवक को तीन आरोपियों ने चाकू मारकर घायल कर दिया। आरोपियों ने उसे रोका और चाकू से हमला कर भाग गए।

शुभम डाबी पिता विष्णु (25) साल निवासी उषा नगर की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। घायल ने पुलिस को बताया कि कल उषा नगर चौराहे पर सुलभ कॉम्प्लक्स के पास में तीन आरोपी मिल गए थे। उससे अकारण ही विवाद करना शुरू कर दिया। उसने इसका विरोध किया आरोपियों ने चाकू से वार कर घायल कर दिया। वहां से भाग निकले। पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई कर रही है।

युवक का सिर फोड़ा

इंदौर। विजय नगर थाना क्षेत्र में एक युवक को आरोपी ने शराब की बोतल मारकर घायल कर दिया। संजय परमार पिता रामप्रसाद निवासी बडी भमौरी की शिकायत पर राहुल चौहान के खिलाफ केस दर्ज किया है। संजय ने पुलिस को बताया की आरोपी बड़ी भमौरी में मिल गया था। पुराने विवाद को लेकर उसके साथ में गाली-गलौज करने लगा। उसने विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट शुरू कर दी। शराब की बॉटल सिर पर मारकर घायल कर दिया। भाई अजय परमार ने बीच बचाव किया तो आरोपी वहां से धमकाते हुए भाग गया।

नाबालिग के साथ छेड़छाड़

इंदौर। पुलिस ने एक मनचले के खिलाफ पॉस्को की धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपी मनचला लगातार लड़की को परेशान कर रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी का नाम आत्माराम वर्मा निवासी बफार्नी धाम के पीछे है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी लगातार उसका पीछा करता है और अलगअलग नंबरों से कॉल और अश्लील मैसेज कर परेशान कर रहा था।

जमीन के नाम पर ठगी

इंदौर। तेजाजी नगर पुलिस ने ठगी का केस दर्ज किया है। आरोपी उस्मान गनी पटेल पिता हाजी पटेल निवासी ओल्ड पलासिया और शाहरुख पटेल पिता उस्मान पटेल के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों ने मीना सरोदे, हर्षद सरोदे व लीना सरोदे से दो एग्रीमेंट किए और एक भी पालन नहीं किया। आरोपी ने उन्हें मकान बनाकर देना तो दूर की बात की है उनके द्वारा खरीदा गए प्लॉट की रजिस्ट्री करके भी नहीं दी। जब आवेदक परेशान हो गए तो उन्होंने पुलिस में इसकी शिकायत की है। पुलिस ने जांच के बाद केस दर्ज किया है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

सौतेले भाई ने किया किया दुष्कर्म

इंदौर। एक युवती के साथ उसके सौतेले भाई ने दुष्कर्म किया और बाद में उसे धमकाकर कई बार संबंध बनाए। पीड़िता की शिकायत पर एमआईजी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। वहीं लसूडिया थाना क्षेत्र में भी एक युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया, यहां सोशल मीडिया के दोस्त ने युवती को धोखा देते हुए उसकी अस्मत लूट ली।

पुलिस के अनुसार पीड़िता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके पिता ने दो शादियां की हैं। पहली पत्नी से वह है। दूसरी पत्नी का बेटा आरोपी भाई है। आरोपी की पत्नी गर्भवती हुई तो वह मायके चली गई। नवंबर 2021 में वह घर पर थी। इसी दौरान आरोपी जूस लेकर आया। जूस उसे दिया, जिसे पीने के बाद वह बेहोश हो गई। जब होश में आई तो उसके शरीर पर कपड़े नहीं थे। आरोपी से इस बारे में पूछा तो उसने संबंध बनाने की बात कही। उसने विरोध किया तो उसे धमकाया कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो भाई-बहन का रिश्ता समाज में बदनाम करने की बात कही। इसके साथ ही दोनों को ही बदनामी झेलने की बात कहकर उसे चुप करा दिया। उसे पुलिस में शिकायत नहीं करने के लिए भी मना लिया। बाद में वह सभी को यह बात बताने की धमकी देकर अस्मत से खिलवाड़ करता रहा। जब उसकी ज्यादती बढ़ गई तो परेशान होकर पीड़िता पुलिस के पास पहुंची। पुलिस मामले में आरोपी की तलाश कर रही है।

दुष्कर्म का मामला सामने आया है

सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद युवक और युवती मिलने लगे। एक दिन युवक से मिलने के लिए युवती होटल में गई थी, जहां युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। लसूडिया पुलिस ने बलात्कार का केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार विशाल झाला निवासी उज्जैन के खिलाफ बलात्कार का केस दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि करीब दो साल पहले सोशल मीडिया के माध्यम से विशाल से दोस्ती हुई थी।

कुछ दिनों बाद फोन पर बातचीत होने लगी। उसके साथ में वह घूमने के लिए भी जाती थी। उसने तबियत खराब होने की बात कही थी। इस पर उससे मिलने के लिए होटल पर गई थी। वहां पर उसे धमकाकर उसके साथ में बलात्कार किया। उसके विरोध करने पर मारपीट कर वहां से भगा दिया। पुलिस अब आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

चरित्र पर शंका में पत्नी पर ढाया सितम

इंदौर में पति ने गर्म चाकू से दागा, अप्राकृतिक संबंध भी बनाए

इंदौर की क्षिप्रा पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ गंभीर धाराओं मे केस दर्ज किया है। आरोपी पति ना केवल अपनी पत्नी के चरित्र पर शंका करता था, बल्कि उसके साथ क्रूरता और वहशीपन करता था। पति से प्रताड़ित पत्नी पहले तो गुपचुप अपना उपचार कराती रही। लेकिन उसके परिवार के लोगों को जब मामले की जानकारी लगी तो उन्होंने पति पर केस दर्ज करवा दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसे जेल भी भेज दिया।

ग्रामीण एसपी भगवत सिंह विरदे के मुताबिक क्षिप्रा में रहने वाली 29 साल की महिला की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ अप्राकृतिक संबंध बनाने और दरिंदगी करने के मामले में केस दर्ज किया है। एसपी के मुताबिक घटना 17 सितंबर की है। आरोपी ने पत्नी से विवाद कर उसके साथ गलत काम किया और गर्म चाकू से उसका प्राइवेट पार्ट जला दिया। महिला हफ्तेभर तक अपना उपचार कराती रही। मामले में शनिवार को केस दर्ज किया गया। दंपती मूल रूप से शाजापुर के रहने वाले है। जो काम के चलते क्षिप्रा रहने आ गए थे। इनकी शादी को 10 साल से अधिक हो गए हैं।

बच्चे बोले- मां को प्रताड़ित करते थे पिता

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक महिला के दो बच्चे हैं। पुलिस ने सच जानने के लिए महिला टीम के साथ उनसे भी पूछताछ की। बच्चों ने जो बताया उसे सुनकर अधिकारियों को भी गुस्सा आ गया। बच्चों ने पिता द्वारा अपनी मां को तरह-तरह की यातनाएं देने की बात कही। साथ ही बताया कि पिता कई बार उनके साथ भी मारपीट करते थे। जिस दिन उन्होंने मां को गर्म चाकू से जलाया था, उस दिन हमें भी चुप रहने की धमकी दी थी। उन्होंने बताया कि पिता ने कहा था कि वह उन्हें भी मार डालेंगे। फिलहा5 आरोपी पिता जेल में है। महिला को उसके परिवार के लोग अपने साथ शाजापुर ले गए हैं।

गिरफ्तार होते ही रोने लगा आरोपी

पुलिस के मुताबिक आरोपी को जब पकड़कर थाने लाया गया तो वह रोने लगा। उसने बताया कि पत्नी के चरित्र को लेकर उसे शंका थी। उसे लगता था कि वह जब सुबह काम पर जाता था तो उसकी पत्नी किसी अन्य व्यक्ति से बातें करती है। इसी के चलते वह पत्नी पर शक करता था।

नवरात्रि के नौ दिनों में माता की पूजा में पहने ऐसे वस्त्र, नवग्रह दोष से पाएंगे मुक्ति

नवरात्रि की पूजा के जरिए आप नवग्रहों की शांति कर सकते हैं। इसके लिए आपको मां के अलग अलग रुपों की उपासने के लिए अलग अलग रंग के वस्त्र धारण करने होंगे। तो आइए जानते हैं किस रंग के वस्त्र धारण करने से आप कौनसे ग्रह को शांत कर सकते है।

शारदीय नवरात्रि मां दुर्गा की उपासना के लिए सबसे उत्तम दिन माने जाते हैं। नवरात्रि के 9 दिन माता रानी की उपासना करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं। इसके साथ ही आप इस समय अगर नवग्रह दोष से पीड़ित है तो उसका निवारण हर दिन रंग के कपड़े पहनकर कर सकते हैं। हर दिन अलग-अलग रंग के कपड़े पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। तो आइए जानते हैं नवरात्रि में किस दिन कौन सा रंग पहनने से आप ग्रह दोष से मुक्ति पा सकते हैं। जानें 9 दिन किस तरह से पहने

पहला दिन मां शैलपुत्री

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। इस दिन माता रानी को की पूजा में सफेद और गुलाबी रंग के कपड़े पहनने चाहिए। आज सोमवार भी है ऐसे में चंद्रग्रह के शुभ प्रभाव में भी वृद्धि होगी। ऐसा करने से आपका मनोबल भी बढ़ेगा। आपके सोचने और कलात्मक शक्ति में विकास होगा।

दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी

नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा उपासना करनी चाहिए। मां ब्रह्मचारिणी की पूजा के लिए आप केसरिया और नारंगी रंग के कपडे पहन सकते हैं। इस दिन मंगलवार भी है ऐसे होने से इन रंगों का शुभ फल आपको मिलेगा। साथ साथ मंगल दोष से भी मुक्ति मिलेगी।

तीसरे दिन चंद्रघंटा स्वरूप की पूजा

नवरात्रि के तीसरे दिन मां के चंद्रघंटा स्वरूप की पूजा की जाती है। उनकी पूजा के लिए आप हरे और लाल रंग के वस्त्र धारण कर सकते हैं। उनके ध्यान पूजन के लिए इन रंगों का उपयोग करेंगे तो साधना अच्छे से होगी। इसके अलावा बुध ग्रह के शुभ प्रभाव में वृद्धि होगी। अगर आपकी कुंडली में बुध प्रतिकूल प्रभाव में है तो इस रंग को जरूर धारण करें।

चौथे दिन मां कुष्मांडा की पूजा

कुष्मांडा को आधी शक्ति मानते हैं। इनका वास सूर्यमंडल के बीच में हैं। इनकी साधना के लिए पीले और नारंगी कलर धारण करना उत्तम माना जाता है। खासतौर पर इस बार नवरात्रि में मां का आगमन हाथी पर हुआ है जो की बेहद शुभ है। ऐसे में आप इन दो रंगों में से कोई एक धारण करेंगे तो आपको शुभ परिणाम मिलेंगे साथ ही गुरु का शुभ प्रभाव भी आप पर बना रहेगा।

5वें दिन स्कंदमाता की आराधना

नवरात्रि के पांचवे दिन स्कंदमाता की आराधना की जाती है। उनकी पूजा के लिए आप ग्रे और सिल्वर रंग के वस्त्र धारण करें तो उत्तम रहेगा। संतान पर स्नेह लुटाने वाली देवी की साधना का लिए इन रंगों का प्रयोग करना चाहिए। ऐसे करने से पारिवारिक जीवन में शांति बनी रहती है। माता का ध्यान पूजा अच्छे से कर पाएंगे। साथ ही शुक्र देव के प्रभाव में वृद्धि होगी।

6वें दिन मां कात्यायनी की पूजा

शारदीय नवरात्रि के दिन मां कात्यानी की पूजा अर्चना की जाती है। उनकी पूजा के लिए आपको रेड और पिंक कलर के वस्त्र धारण करने से लाभ होता है। इनका बारे में कहा जाता है इन्होंने ही महिषासुर का वध किया था। इस देवी के स्वरूप में ध्यान लगाने के लिए आपको लाल रंग या गुलाबी रंग के वस्त्र धारण करना चाहिए। इससे शनि ग्रह का प्रतिकूल प्रभाव बढ़ेगा। हालांकि, इस दिन काले और नीले रंग के वस्त्र का प्रयोग न करें।

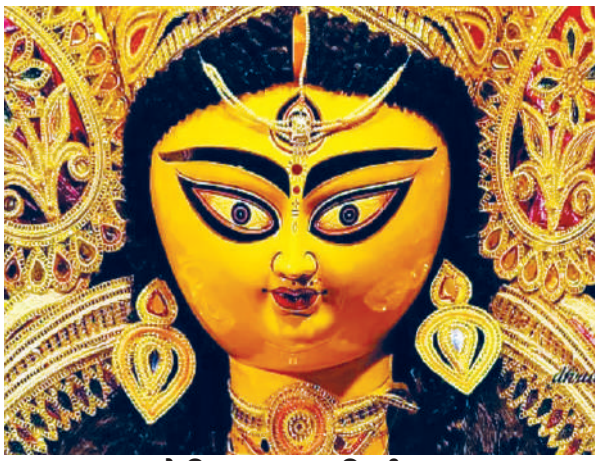

7वें दिन मां कालरात्रि की पूजा

नवरात्रि के 7वें दिन मां कालरात्रि की पूजा की जाती है। हरे और पर्पल रंग के वस्त्र धारण करने चाहिए। इस रंग के कपड़े पहनने से आपको अलग ऊर्जा और उत्साह का अनुभव होगा। साथ ही अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में सूर्य कमजोर स्थिति में हैं तो इस रंग के वस्त्र धारण करने से उन्हें लाभ होगा।

8 वें दिन महागौरी की पूजा

नवरात्रि की पूजा में आठवें दिन महागौरी की पूजा की जाती है। उनकी उपासना के लिए आपको सफेद रंग के वस्त्र धारण करने चाहिए। इस रंग को पहनने से आपको आनंद की प्राप्ति होगी। साथ ही अगर आप पर चंद्रमा दोष है तो इससे आपको शांति मिलेगी।

नवरात्रि के 9वें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा

नवरात्रि का समापन मंगलवार को रहा है और नवरात्रि के 9वें दिन मां सिद्धिदात्री को समर्पित किया जाता है। इस दिन रेड और मैरून रंग के कपड़े पहनने चाहिए। यह रंग आपके जीवन में उदारता लेकर आएगा। साथ ही यह रंग मंगल दोष से भी आपको मुक्त करता है।

नवरात्रि पर जयंती क्यों बोए जाते हैं, क्या है जयंती का महत्व और लाभ जानिए विस्तार से

नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना की जाती है और उसी समय मिट्टी में जौ या गेहूं के दाने भी बो दिए जाते हैं। तीन-चार दिन बाद जब जौ के दाने अंकुर निकलते हैं, तब उनको जयंती कहा जाता है। नवरात्रि में जयंती का विशेष महत्व होता है और विधिवत इनकी पूजा की जाती है। नौ दिन बाद अर्थात दशमी तिथि को इनको नदी में विसर्जन कर दिया जाता है। जयंती के होने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, जयंती से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और समृद्धि का वास होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जयंती केवल पूजा की चीज नहीं है बल्कि ये आपके भविष्य को भी दर्शाती है। आइए जानते हैं जयंती से किस तरह आने वाले साल के बारे में जान सकते हैं।

जयंती का महत्व

जयंती को अन्नपूर्णा देवी माना जाता है इसलिए माता और अन्नपूर्णा देवी की नवरात्रि में पूजा की जाती है। कहते हैं कि बोई गई जयंती जितनी बढ़ती है, उतनी ही माता कृपा मिलती है। जब भी देवी-देवताओं का हवन किया जाता है तो उसमें जौ का विशेष महत्व होता है क्योंकि शास्त्रों में अन्न को ब्रह्म माना गया है इसलिए नवरात्रि में जयंती की पूजा की जाती है।

हर रोज जयंती को दें जल

नवरात्रि में हर रोज कलश पूजन के बाद जयंती को जल देना चाहिए। ऐसा करने से जयंती हरी भरी रहती है। पूजन स्थल पर इस बात का ध्यान रखें कि जयंती के आस पास फूल या अन्य चीजों को जमा ना होने दें। ऐसा करने से जयंती का विकास रुक जाता है, जो अशुभ माना जाता है। इसलिए जयंती के आस पास साफ सुथरा रखें और हर रोज जल दें।

जयंती को लेकर धार्मिक मान्यता

जयंती को लेकर कई धार्मिक मान्यताएं हैं। इन मान्यताओं के आधार पर जयंती अगर हरी भरी रहती है तो आने वाले साल में परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और परिवार के सदस्यों की तरक्की भी होती है। जयंती जितनी हरी भरी रहेगी, आर्थिक रूप से उतने ही मजबूत होते हैं और पारिवारिक सदस्यों के बीच प्रेम भाव बना रहता है। अगर जयंती का विकास सही से नहीं हो पाता है तो यह शुभ संकेत नहीं माना जाता है। मान्यता है कि इससे आने वाले साल में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए हर रोज दुर्गा चालीसा या दुर्गा मंत्रों का जप करना चाहिए।

देरी से अंकुरित हो जयंती तो

वैसे तो जयंती दो से तीन बाद अंकुरित हो जाती है लेकिन अगर देरी से अंकुरित होती है तो आने वाले साल में अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। साथ ही जिस चीज के लिए आप मेहनत कर रहे हैं तो उसका फल मिलने में देरी हो सकती है। वहीं जयंती अगर तेजी से विकास कर रही है तो आने वाले साल में उतनी ही तेजी से उन्नति भी होगी।

लालिमा लिए हो जयंती तो

जयंती के उग जाने के बाद कई बार जयंती लालिमा लिए हुए अर्थात लाल हो तो आपको आने वाले साल में शत्रुओं और रोगों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं सामाजिक और प्रफेशनल लाइफ में परेशानियां लगी रहती है। शत्रु आप पर किसी भी तरह से हावी होने की कोशिश न करें, इसलिए जंयती आपको पहले ही संकेत दे देती है।

जयंती का रंग बताता है भविष्य

जयंती का रंग अगर ऊपर से पीला और जड़ से हरा है तो इसका मतलब है कि आने वाले साल की शुरुआत ठीक से होगी लेकिन कुछ महीनों बाद परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं जयंती अगर ऊपर से हरी और जड़ से पीली है तो इसका अर्थ है कि साल की शुरुआत भले ही अच्छी ना हो लेकिन बाद में सब सही हो जाएगा अर्थात साल का मध्य भाग अच्छा व्यतीत होगा।

इस उपाय से मिलेगा लाभ

अगर जयंती का रंग आपके मुताबिक नहीं है तो इसका विधान शास्त्रों में बताया गया है। शुरुआती दिनों में जयंती सही से विकसित नहीं हो रही है तो माता से प्रार्थना करें और दसवीं तक हर रोज 108 बार नवग्रह के नाम पर हवन करें। सुबह-शाम माता की कपूर से पूजा करें और आरती उतारें। हवन की भभूति का रोज तिलक लगाएं। माता की कृपा प्राप्त करने के लिए अष्टमी या फिर नवमी के दिन कंजक को बैठाकर भोग लगाएं और उनकी सेवा करें। ऐसा करने से आपके कष्ट दूर होंगे।

BLACKBERRY HILL'S

मात्र 551/- रु. Sq.ft.

WE BUILD YOUR NEW NATURAL FARMHOUSE

FEATURES
- CCTV कैमरे एवं 24 घटें सिक्योरिटी के साथ पूर्ण रूप से सुरक्षित
- फाउंटेन, गजीबो, लैंड स्केपिंग गार्डन, जॉगिंग ट्रैक
- सोलर स्ट्रीट लाइट एवं गार्डन लाइट
- क्लब हाउस, स्वीमिंग पुल, मेडिटेशन रूम, गेम जोन
- आउटडोर किचन और कॉटेज सुविधा के साथ।
- प्राकृतिक वातावरण में पक्षियों की मधुर आवाज और नहर के किनारे विकसित एकमात्र स्थान आपका अपना Blackberry Hill's Farm and Resort

BANK LOAN AVAILABLE

8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

मात्र 15 लाख से शुरु

HANUMANTIYA JUNGLE RESORT

हनुमंतिया जंगल रिसोर्ट
में आपका अपना LUXURY रिसोर्ट

FEATURES
- नदी किनारे पूरा फ्रंट
- पीछे शानदार पर्वत
- 24/7 पानी ही पानी
- सुप्रसिद्ध झिरी माता का मंदिर
- पहाड़, पानी, पर्वत और नदिया सब एक ही जगह

BENEFITS
- रेल और बस सुविधा
- किशोर कुमार दा की नगरी
- प्रसिद्ध गुरुदेव धूनीवाले बाबा की नगरी
- इंदौर इच्छापुर हाइवे से कुछ ही मिनटों की दूरी
- सुरक्षित, किफायती, शहर से नजदीक, विकसित, सर्व सुविधा युक्त

BANK LOAN AVAILABLE

तुरंत रजिस्ट्री, तुरंत पजेशन

8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

WWW.1BIGA.COM

SHREE GODAWARI DEVELOPER

हो जाइए तैयार, पूर्ण होगा अब
फार्म हाऊस
लेने का उत्तम विचार

FEATURES
- Covered RCC boundary wall with entrance gate.
- 24/7 Water supply.
- 24/7 Security.
- 24/7 Electricity supply.
- 100 Different types of fruit plants.
- Solar light.

BENEFITS
- नेशनल हाइवे से 400 मीटर
- Choral से 9km
- बड़वाह से 9km पहले
- इंदौर शहर से 1 घटें की दूरी पर

मात्र 101/- Sqft

इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाइवे से 400 मी. की दूरी पर

More information call us
8889066688, 6268319125

ACHIRA GREENS
A Smart Township

BOOK NOW ONLY 1399/- Sqft

INDORE
में अपने सपनों
का प्लॉट पायें

इच्छापुर नेशनल हाईवे
के समीप IIT COLLEGE
के नजदीक

अचीरा ग्रीन्स ही क्यों ?
- नेशनल हाईवे से मात्र 500 मीटर
- रेरा द्वारा प्रमाणित सपूंर्ण विकसित और वैध
- हर 10 मिनट में बस सुविधा इंदौर के लिए और खडवा के लिए
- शुद्ध और प्राकृतिक वातावरण के बीच आपका प्लाट।
- मोहाली फॉल है बिल्कुल नजदीक
- तिंछा फॉल है बिल्कुल नजदीक

8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

सनी देओल की चुप ने ब्रह्मास्त्र के सामने लगाई ऊंची दहाड़, तीसरे दिन भी की ताबड़तोड़ कमाई

डायरेक्टर आर बाल्की ने चुप के ट्रेलर रिलीज के साथ ही बता दिया था कि यह फिल्म काफी अलग होने वाली हैं। सनी देओल और दुलकर सलमान की फिल्म को ओपनिंग भी जबरदस्त मिली। 23 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई चुप ने तीन दिनों में धांसू कमाई की है। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की ब्रह्मास्त्र को भी इसने कड़ी टक्कर दी है। चुप के वीकेंड कलेक्शन की भी रिपोर्ट आ गई जिसे देखकर कहना गलत नहीं होगा कि सनी देओल ने बॉक्स ऑफिस पर जोरदार प्रदर्शन किया है।

जबरदस्त ओपनिंग

%चुप% ने सिनेमाघरों में पहले दिन ही काफी ऊंची दहाड़ लगाई। ओपनिंग डे पर 3.06 करोड़ रुपये की कमाई के साथ खाता खोलने वाली इस फिल्म ने रविवार को भी अच्छा परफॉर्म किया। साउथ स्टार दुलकर सलमान ने इस फिल्म के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया है। क्रिटिक्स ने भी फिल्म को अच्छे रिव्यू दिए हैं और चीनी कम और पैड मैन जैसी फिल्म बनाने वाले आर बाल्की ने तो इसे क्राइम थ्रिलर बनाने में जी जान लगा दिया।

वीकेंड पर कमाए इतने करोड़

सनी देओल ने भी चुप के साथ लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी की है। उनकी फिल्म ने पहले दिन 3 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया था, जो दूसरे दिन थोड़ी घटी और 2.7 करोड़ पहुंच गई। तीसरे दिन %चुप% के कलेक्शन में उछाल आया और फिल्म ने 2 करोड़ के करीब का बिजनेस किया। इसके साथ ही इसका टोटल वीकेंड कलेक्शन पहुंचता है 7.13 करोड़ के आसपास।

Bigg Boss 16 की दूसरी कंटेस्टेंट का नाम रिवील, गौतम विज के बाद चांदनी शर्मा लेंगी घर में एंट्री!

टीवी के सबसे बड़े कॉन्ट्रोवर्शियल रिएलिटी शो की जल्दी ही शुरुआत होने वाली है. 1 अक्टूबर को शो का पहला एपिसोड प्रीमियर किया जाएगा. हर बार की तरह होस्ट के तौर पर सलमान खान इस बार भी अपने स्वैग का तड़का लगाते दिखेंगे. फैंस के बीच बज अभी से क्रिएट हो चुका है. शो से जुड़ी हर एक अपडेट को जानने के लिए लोग बेताब हैं.

राम सेतु का टीजर हुआ लॉन्चस्फेद दाढ़ी और लंबे बालों में नजर आए अक्षय कुमार, 25 अक्टूबर को रिलीज होगी फिल्म

अक्षय कुमार ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म राम सेतु की पहली झलक दिखाई है। दरअसल, राम सेतु का टीजर लॉन्च किया गया है। अक्षय ने टीजर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, राम सेतु की पहली झलक, सिर्फ आपके लिए। इसे बहुत प्यार के साथ बनाया गया है, मुझे उम्मीद है कि आपको पसंद आएगी।

इसके साथ ही अक्षय ने राम सेतु की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट भी की है। यह फिल्म 25 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अक्षय इस फिल्म में एक दम नए अंदाज में नजर आ रहे हैं। सफेद दाढ़ी और बिखरे हुए लंबे बालों में नजर आएंगे। अभिषेक शर्मा की निर्देशित फिल्म में जैकलीन फर्नांडीज और नुसरत भरूचा भी लीड रोल में होंगी।

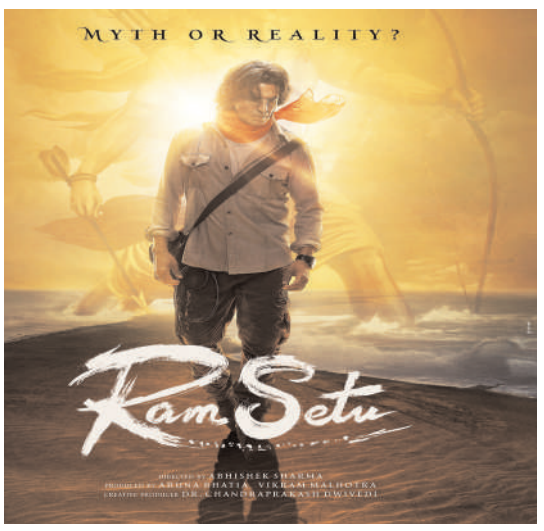

दीपक हुड्डा चोट के कारण साउथ अफ्रीका सीरीज से बाहर, हार्दिक पंड्या भी नहीं खेलेंगे

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया की टेंशन बढ़ गई है। दीपक हुड्डा चोट के कारण साउथ अफ्रीका सीरीज से बाहर हो गए हैं। वहीं, हार्दिक पंड्या को रेस्ट दिया गया है। 28 सितंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज शुरू हो रही है। हुड्डा की जगह शहबाज अहमद और पंड्या की जगह श्रेयस अय्यर टीम का हिस्सा बने हैं।

सीरीज का पहला मैच तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। हार्दिक ने अभी हाल ही में खत्म हुई ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 3 मैच में 190.90 के स्ट्राइक रेट से 105 रन बनाए थे। ऐसा माना जा रहा है कि वर्ल्ड कप को देखते हुए पंड्या को आराम दिया गया है। टीम मैनेजमेंट का मानना है कि इस मेगा टूर्नामेंट के लिए हार्दिक जैसे खिलाड़ी पूरी तरह से फ्रेश रहें।

इस कारण बाहर हुए हुड्डा

दीपक हुड्डा साउथ अफ्रीका सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। इससे भारतीय टीम की परेशानी बढ़ गई है। बोर्ड ने कहा है कि दीपक हुड्डा को बैक इंजरी हुई है। हुड्डा वर्ल्ड कप में भी टीम इंडिया का हिस्सा हैं। ऐसे में उनकी चोट ने भारत की टेंशन बढ़ा दी है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की टी-20 सीरीज के लिए हुड्डा की जगह शहबाज को मौका दिया गया है। हुड्डा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई टी-20 सीरीज में एक भी मैच नहीं खेले थे।

ऑलराउंडर हैं शहबाज अहमद

शहबाज ऑलराउंडर खिलाड़ी हैं और वो बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। रवींद्र जडेजा पहले ही वर्ल्ड कप से बाहर हैं, ऐसे में शहबाज अहमद को मौका देना एक अच्छा विकल्प है। अगर हुड्डा वर्ल्ड कप से बाहर होते हैं तो उनकी जगह शहबाज ले सकते हैं।

वर्ल्ड कप से पहले आखिरी 3 टी-20 मैच

टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप का अपना पहला मैच 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने वाली है। ऐसे में वर्ल्ड कप से पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज भारत की आखिरी सीरीज है, इसलिए कप्तान रोहित शर्मा चाहेंगे कि वो अपना बेस्ट प्लेइंग इलेवन साउथ अफ्रीका सीरीज से ही चुन लें।

बुखार के बीच सूर्यकुमार ने खेली 69 रन की पारी

जीत के लिए उसे हासिल करने की जिद जरूरी है।% यह बात रविवार को साबित की है टीम इंडिया के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ निर्णायक टी20 मुकाबले में बुखार होने के बाद भी उतरे और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने।

32 साल के सूर्यकुमार यादव ने 36 गेंदों पर 191.66 के स्ट्राइक रेट से 69 रन की आतिशी पारी खेली। उनकी इस पारी की बदौलत टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के 187 रनों के लक्ष्य को चार विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। जीत के बाद सूर्यकुमार ने अक्षर पटेल से चर्चा करते हुए अपनी बीमारी के बारे में बताया।

BCCI ने सोमवार को इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया में पोस्ट किया। इसमें सूर्य कुमार ने बताया कि इस मैच से पहले उनकी तबीयत खराब थी और वो ठीक से सो भी नहीं पाए थे।

अक्षर ने पूछा कि उनके साथ आखिर हुआ क्या था? तो सूर्यकुमार यादव ने बताया- थोड़ा पेट दर्द था, फिर बुखार भी आ गया, लेकिन मुझे यह भी पता था कि यह निर्णायक मुकाबला है तो मैंने अपने डॉक्टर और फिजियो को बोला कि मैं ऐसे बीमारी लेकर बैठ नहीं सकता। तो आप कैसे भी करके...कुछ भी करो, कोई भी गोली दो, कुछ भी इंजेक्शन दो, लेकिन मुझे शाम के खेल के लिए तैयार करो। एक बार ग्राउंड पर आ गए, जर्सी पहन ली तो फिर अलग ही इमोशन है अपना।'

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अखबार

जो भी रोजगार चाहता है, उसे देंगे काम - मुख्यमंत्री श्री चौहान

बुधनी में 29 सितम्बर को होंगे औद्योगिक क्लस्टर्स के शिलान्यास और लोकार्पण

रोजगार दिवस के लिए की जा रही तैयारियों की हुई समीक्षा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि युवाओं सहित प्रदेश के ऐसे सभी लोगों को जो जीविका चलाने के लिए काम करना चाहते हैं उन्हें स्व-रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध करवाने के प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं। सम्मानपूर्वक रोजी-रोटी चाहने वाला हर व्यक्ति इसका हकदार है। हर महीने रोजगार दिवस से लोगों को रोजगार दिलवाने के प्रयासों में सफलता भी मिल रही है। इसी क्रम में इस माह 29 सितम्बर को सीहोर जिले के बुधनी में रोजगार दिवस, औद्योगिक क्लस्टर्स, औद्योगिक क्षेत्र और इन्क्यूबेशन सेंटर्स के शिलान्यास का महत्वपूर्ण कार्यक्रम हो रहा है। इसमें 5521 करोड़ 51 लाख के भूमि-पूजन और लोकार्पण हो रहे हैं। इनसे लगभग 59 हजार व्यक्तियों को रोजगार का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज निवास पर आगामी 29 सितंबर को होने वाले रोजगार दिवस और विभिन्न एमएसएमई क्लस्टर्स के शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक ली। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा रोजगार सृजन को बढ़ावा देते हुए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इससे युवाओं का आत्म-विश्वास बढ़ा है। अलग नीति बना कर स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने से भी युवा वर्ग का मनोबल बढ़ा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं से वास्तविक जरूरतमंद हितग्राही लाभान्वित हों, इस पर निरंतर नजर रखी जाए।

प्रदेश व्यापी रोजगार दिवस की रूपरेखा

रोजगार दिवस पर राज्य स्तरीय और जिला स्तरीय कार्यक्रम होंगे। बुधनी में हो रहे राज्य स्तरीय कार्यक्रम में एक साथ 11 जिलों के 19 औद्योगिक क्लस्टर्स का शिलान्यास होगा और 4 जिलों के 3 औद्योगिक क्लस्टर्स, एक औद्योगिक, क्षेत्र 2 इन्क्यूबेशन सेंटर्स और एक स्टार्टअप सेंटर का लोकार्पण भी किया जायेगा। विभिन्न जिलों में प्रभारी मंत्री और जन-प्रतिनिधियों के मुख्यआतिथ्य में कार्यक्रम होंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम में विभिन्न शिलान्यास के साथ हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में औद्योगिक संघों के प्रतिनिधि, एमएसएमई उद्यमी, भावी उद्यमी और हितग्राही, स्टार्टअप्स और इन्क्यूबेटीस, क्लस्टर्स विकासक प्रतिभागी होंगी। साथ ही स्व-रोजगार योजना से संबंधित विभाग और बैंकर्स समिति सहित वित्तीय संस्थाओं के अधिकारी भी शिरकत करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान स्व-रोजगार योजना में चयनित लाभान्वित हितग्राहियों को ऋण

मंजूरी/ वितरण-पत्र प्रदाय करेंगे। साथ ही चयनित जिलों के क्लस्टर्स विकासकों से संवाद भी होगा।

स्व-रोजगार योजनाओं की प्रगति

इस माह के 2 लाख से अधिक हितग्राहियों को विभिन्न स्व-रोजगार योजनाओं से लाभान्वित करने के लक्ष्य को पूर्ण किया जा रहा है। वर्तमान वित्त वर्ष में प्रदेश में रोजगार योजनाओं से 13 लाख से अधिक हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। इसके पूर्व जनवरी से मार्च महीनों में भी करीब 11 लाख हितग्राही विभिन्न रोजगार योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं। इस तरह इस कैलेंडर वर्ष में लाभान्वित हितग्राही करीब 24 लाख हो जाएंगे। प्रदेश में संचालित मुख्यमंत्री जन सेवा शिविरों में भी हितग्राहियों को रोजगार उपलब्ध कराने वाली मंजूरियाँ दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 29 सितम्बर को बुधनी में हो रहे शिविर की तैयारियों की कलेक्टर, सीहोर से जानकारी प्राप्त की।

प्रधानमंत्री आवास योजना में तकनीकी कारणों से कोई गरीब वंचित न रहे मुख्यमंत्री श्री चौहान

शासकीय कार्यों के प्रति सकारात्मक भाव से अपने कर्त्तव्य के प्रति समर्पित रहें

एक जिला-एक उत्पाद योजना को गंभीरता से लें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नवरात्रि की शुभकामनाओं के साथ शुरू की अनूपपुर जिले की समीक्षा

आँगनवाड़ियों में पोषण आहार वितरण की कलेक्टर स्वयं करें क्रॉस चेकिंग

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हम बेहतर कार्य करते हुए प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर करें और प्रदेशवासियों को जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से बेहतर और सुखी जीवन प्रदान करने के लिए निरंतर सक्रिय रहें। इसी विचार के साथ प्रातःकालीन बैठकों में जिलों की विकास गतिविधियों, योजनाओं के क्रियान्वयन और कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की जाती है। नवरात्रि के पावन पर्व के आरंभ पर देवी माँ से प्रदेश और देश पर कृपा बनाए रखने तथा सबका मंगल करने की कामना और प्रार्थना है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सुबह 7 बजे निवास कार्यालय से अनूपपुर जिले की समीक्षा बैठक में उपस्थित सभी जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों को नवरात्रि की शुभकामना दी। जिले की प्रभारी एवं जनजातीय कार्य मंत्री सुश्री मीना सिंह, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव तथा शहडोल कमिश्नर श्री राजीव शर्मा वर्चुअली शामिल हुए। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना जिला अधिकारियों सहित अनूपपुर से वर्चुअली शामिल हुई।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण हों, कार्य समय सीमा में हों, जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को मिले और शासकीय कार्यों तथा गतिविधियों के प्रति जन-सामान्य में सकारात्मक भाव रहे, इस संकल्प के साथ हम अपने कर्त्तव्य के प्रति समर्पित रहें। सदा से ही बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित और सम्मानित करने का भाव रहा है और इसे क्रियान्वित भी किया जाता रहा है। परंतु विलंब, मनमानी और अनियमितता के प्रकरणों में दंड और विधिक कार्यवाही करना पड़ती है, जिसका मुझे भी दुख होता है। हमारा प्रयास यह हो कि विकास और जन-कल्याण के कार्य सकारात्मक वातावरण में ही हों।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अनूपपुर जिले में शिशु मृत्यु दर में सुधार और टी.बी. के प्रबंधन में जिले द्वारा राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह संपूर्ण टीम के परिश्रम और प्रभावी समन्वय से ही संभव हुआ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अमरकंटक में माँ नर्मदा जी के उद्गम स्थल के संरक्षण के लिए अतिक्रमण को रोकना आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान, अमृत सरोवर, एक जिला-एक उत्पाद, विद्युत व्यवस्था, कानून-व्यवस्था, सड़कों की स्थिति, आँगनवाड़ी में पोषण आहार वितरण, पथ विक्रेता योजना, मुख्यमंत्री राशन आपके द्वार योजना आदि की समीक्षा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सी.एम. हेल्पलाइन में प्राप्त विभिन्न शिकायतों और उनके निराकरण पर भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में ग्रामवासियों को विश्वास में लेकर योजना का क्रियान्वयन किया जाए। जिन गाँवों में पानी के स्त्रोत नहीं है, वहाँ भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए चैक डेम, स्टॉप डेम और तालाब विकसित करने की योजना बनाकर, क्रियान्वयन किया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना में तकनीकी कारणों से कोई गरीब वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस संबंध में प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री उमाकांत उमराव को सुबह फोन पर इस समस्या के कारणों को चिन्हित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आवश्यक हुआ तो इन बिन्दुओं पर केन्द्र सरकार स्तर पर चर्चा की जाएगी। अमृत सरोवरों का निर्माण प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप हो। प्रभारी मंत्री और जन-प्रतिनिधि नियमित रूप से निर्माणाधीन अमृत सरोवरों का निरीक्षण करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने फरवरी-मार्च माह में 10 आँगनवाड़ी केन्द्रों में पोषण आहार नहीं पहुँचने के कारणों की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर को पोषण आहार वितरण की निरंतर क्रॉस चेकिंग के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि एक जिला-एक उत्पाद योजना की गतिविधियों को गंभीरता से लिया जाए। योजना केवल कागजी न रहे। जिले के उत्पादों के माध्यम से जिले में उद्यमिता विकसित करने और जिले की पहचान स्थापित करने के सशक्त प्रयास हों। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिन नगरीय निकायों में नगर पालिका अधिकारी पदस्थ नहीं हैं, वहाँ तत्काल अधिकारियों की पदस्थापना की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अनूपपुर से राजेन्द्र ग्राम को जाने वाली मुख्य सड़क के भू-स्खलन से क्षतिग्रस्त हो जाने की समस्या का तकनीकी परीक्षण कर स्थाई समाधान निकालने के निर्देश प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री नीरज मंडलोई को दूरभाष पर दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अनूपपुर स्थित रेलवे फाटक पर ब्रिज निर्माण की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहाकि दो माह बाद पुनः जिले की गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी।

जानकारी दी गई कि जल जीवन मिशन में 577 ग्रामों में कार्य किया जाना है, जिनमें से 77 योजनाओं में पानी आना शुरू हो गया है। मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह द्वारा कार्य के प्रति असंतोष व्यक्त करने पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 15 दिन में पुनः इन गाँवों कीरिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में 35

प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 92 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। जनवरी तक शेष बचे आवास पूर्ण कर लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आवास पूर्ण होने पर जन-प्रतिनिधियों के साथ गृह प्रवेश के कार्यक्रम किए जाएँ। इससे आनंद का वातावरण निर्मित करने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और आवास निर्माण से संबंधित सभी पक्षों पर नैतिक दबाव बनाने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आवास योजना में किश्त जारी करने के लिए अनुचित राशि की माँग करने वालों पर निगरानी रखने और ऐसे संदिग्ध प्रकरणों का कलेक्टर द्वारा स्वयं परीक्षण करने के निर्देश दिए।

बताया गया कि मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान में जिले में 221 शिविर लगाए गए। इनमें 11 हजार आवेदन प्राप्त हुए, इसमें से 967 का निराकरण कर लिया गया है। ऊर्जा साक्षरता अभियान में सभी छात्रावासों को जोड़ा जा रहा है। जिले में 107 अमृत सरोवरों का निर्माण किया जाना है,जिसमें से 81 का कार्य आरंभ हो चुका है। जिले के गैर कृषि फीडर्स से 23 घंटे 35 मिनिट और मिश्रित फीडर्स से 21 घंटे 36 मिनिट बिजली की आपूर्ति की जा रही है। एडाप्ट एन आँगनवाड़ी अभियान में जिले की 1145 आँगनवाडी केन्द्रों को जन-प्रतिनिधि और अधिकारियों ने गोद लिया है। जिले के 190 आँगनवाड़ी केन्द्रों की बाउण्ड्रीवाल बनाने का कार्य जारी है। आँगनवाड़ी केन्द्रों में विद्युत कनेक्शन देने के लिए भी प्राथमिकता पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री राशन आपके द्वार योजना में 283 गाँवों के 35 हजार परिवारों को 20 वाहनों के माध्यम से राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले में लगभग 85 एकड़ भूमि में लेमन ग्रास लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। एक जिला-एक उत्पाद में गुल बकावली, टमाटर और कोंदो की पैकेजिंग और ब्रांडिंग के लिए कार्य किया जा रहा है।

GST के विरोध में कांग्रेस का अनूठा प्रदर्शन-शेख चिल्ली के नाम से दुकान खोलकर 1-1 रुपए में बेची पूजन सामग्रियां

बढ़ती महंगाई को लेकर लगातार कांग्रेस द्वारा

विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को कांग्रेसियों ने अनूठा प्रदर्शन किया। उन्होंने शेख चिल्ली के नाम से दुकान खोलकर 1-1 रुपए में पूजन सामग्री बेचकर अपना विरोध जताया और मोदी सरकार की नीतियों का विरोध किया।

नवरात्रि के पहले दिन कांग्रेस नेता व एडवोकेट प्रमोद द्विवेदी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने बड़ा गणपति चौराहा के पास शेख चिल्ली के नाम से पूजन सामग्री की दुकान खोली। उन्होंने जोर-जोर से आवाज देकर लोगों का ध्यान आकृष्ट किया और उन्हें 1-1 रुपए में बेची। कांग्रेसियों का कहना है कि लगातार महंगाई बढ़ाती जा रही है। पूजन सामग्री पर भी 18% जीएसटी लगा दिया गया है। 1 रुपए में पूजन सामग्री बेचने का असर यह हुआ कि कुछ ही देर में सारी पूजन साम्रगियां बिक गई।

भगवान की मूर्तियों पर भी 18% जीएसटी

द्विवेदी ने बताया कि पूजन सामग्रियों के साथ भगवान की मूर्तियों पर भी 18% जीएसटी लगाया गया है। मास्क पर कोई टैक्स नहीं, शराब भी सस्ती, जो काम अंग्रेजों की सरकार ने नहीं किया वह मोदी सरकार ने कर दिया। हम चाहते तो यह पूजन सामग्रियां फ्री में दे सकते थे लेकिन लोग इसे पैसे देकर ही खरीदते हैं। 380 से ज्यादा महिलाओं ने आम की लकड़ियां और पूजन सामग्रियां खरीद ली। पांच सौ ज्यादा बालिकाओं ने गरबे के डंडे पहले से ही ले लिए थे। हम बच्चियों को बुलाकर यहां प्रदर्शन नहीं करना चाहते थे।

किताबों, कॉपियों व पेंसिल पर भी टैक्स

द्विवेदी ने कहा कि सरकार की नीतियां कहां-कहां गलत है, वह सरल तरीके से समझ में आ जाए इसलिए इस प्रकार दुकान संचालित कर विरोध प्रदर्शन किया गया। विजया दशमी पर हम रावण को मारेंगे, उसके अहंकार को मारेंगे, दूसरी ओर सरकार किताबें-कॉपियों पर भी टैक्स लगा दिया है। पेसिंल पर भी टैक्स लगा दिया है। विजया दशमी पर ये सब बांटकर बच्चों को बताएंगे कि यह अहंकारी सरकार है, इस सरकार का आतंक को देखिए।

महाराजा अग्रसेन की 5146 जी के अवसर पर अग्रसेन चौराहे पर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया

नवरात्रि के प्रथम दिन मंदिरो में भक्तों की लगी भीड़ दृश्य अन्नपूर्णा मंदिर

ट्रेजर आईलेंड मॉल में हुई मॉक ड्रिल

मॉल में एटीएस और बीडीडीएस ने संभाला मोर्चा

इंदौर। शहर में कानून व्यवस्था व सुरक्षा बनाए रखने के साथ ही किसी भी अप्रिय स्थिति पर नियंत्रण रखने के लिए इंदौर पुलिस ने सुबह एटीएस के साथ मिलकर ट्रेजर आईलेंड मॉल में मॉक ड्रिल मॉक की गई। इस दौरान एक तरफ का यातायात बंद रखा गया। पूरे ट्रेजर ऑइलेण्ड मॉल में सुबह से ही एटीएस और बीडीडीएस ने संभाला मोर्चा लिया था।

शहर की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखने के साथ ही आगामी त्यौहार पर कानून व्यवस्था के विपरीत किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए एटीएस व पुलिस की स्थिति जांचने के लिए मॉर्क ड्रील की गई। यह मॉर्क ड्रील एमजी रोड स्थित ट्रेजर आईलेंड में रखी गई। इस दौरान इंदौर पुलिस व एटीएस ने साथ मिलकर सुबह 9 भारी पुलिस बल के साथ फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी तैयार थी।

मास्टर प्लान-रिंग रोड से जुड़ेगा तिलक नगर, कनाड़िया रोड का ट्रैफिक दबाव 20% तक घटेगा

20 साल पुराने प्रोजेक्ट की राह खुली, 15 के बजाय 5 मिनट में होगा सफर

पूर्वी शहर को मास्टर प्लान की एक और अटकी हुई सड़क मिलने वाली है। तिलक नगर को रिंग रोड से जोड़ने वाली इस 80 फीट की सड़क के लिए नगर निगम ने सर्वे शुरू कर दिया है, लेकिन सबसे अहम बात ये है कि इस सड़क में जो बाधाएं आ रही हैं, उसमें खुद निगम की बनाई पानी की टंकी भी है। 20 साल पहले अफसरों ने बिना प्लानिंग के टंकी बना डाली, यह देखा ही नहीं कि इसी खसरे में सड़क भी निकल रही है। इसी वजह से ये सड़क अब तक नहीं बन पाई है।

वरना, इसमें कुछ निजी जमीनें, एक मकान और स्कूल ही बाधक है, जिनके मामले में जल्द सहमति बन सकती है। पानी की टंकी को कैसे हटाएं या वहां से कैसे रास्ता निकालें, इस चक्कर में निगम काम शुरू नहीं कर सका। अब सर्वे के बाद निगम ने यहां सड़क का अलॉइनमेंट फाइनल कर लिया है। कुछ भाग 60 फीट या 50 फीट चौड़ा रहेगा। इसे लेकर निगमायुक्त प्रतिभा पाल, विधायक महेंद्र हार्डिया और एमआईसी सदस्य राजेश उदावत ने मौका देखा। उदावत ने बताया कि सिर्फ चार-पांच निर्माण हटने से सड़क बन जाएगी। निगम अफसर सीमांकन कर रिमूवल शुरू करेंगे। सड़क श्रीकृष्ण पब्लिक स्कूल तिलक नगर से शुरू होकर महावीर नगर टंकी के पास से रिंग रोड पर शंकुतला नर्सिंग होम वाली सर्विस रोड से मिलेगी।

यह होगा फायदा

तिलक नगर से रिंग रोड, बंगाली चौराहा, बायपास और पीपल्याहाना की तरफ आने-जाने के लिए एक नई लिंक मिलेगी।

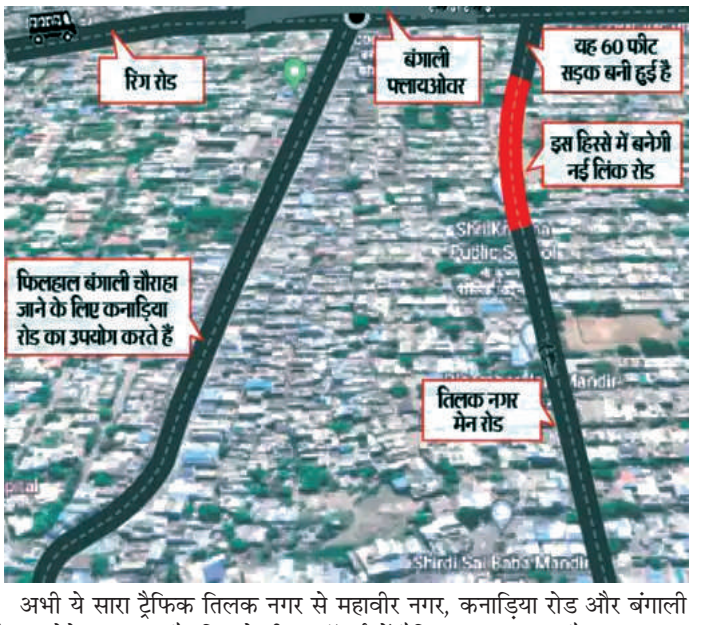

अभी ये सारा ट्रैफिक तिलक नगर से महावीर नगर, कनाड़िया रोड और बंगाली चौराहा होते हुए जाता है, जिससे पीक ऑवर्स में ट्रैफिक जाम लगता है।

अभी इस रोड पर आने-जाने में 12 से 15 मिनट लग जाते हैं, रोड बनने से सिर्फ 5 मिनट में पहुंच सकेंगे। कनाड़िया रोड का ट्रैफिक दबाव 20 फीसदी तक कम होगा। गीता भवन से बड़ी ग्वालटोली होकर आने वाले और पलासिया से रिंग रोड की तरफ जाने वाले भी निकल सकेंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)